NT>

Title: Need to import the silk thread to revive the silk industry at Varanasi, Uttar Pradesh.

श्री आनन्द रत्न मौर्य (चंदौली) : महोदय, बनारस के अन्दर सिल्क धागा नहीं मिल रहा है, इसलिए इस धागे को विदेशों से मंगाने की आवश्यकता है, नहीं तो यह सिल्क उद्योग बन्दी के कगार पर जा रहा है। वहां के बुनकरों की हालत बहुत ही खराब है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि सिल्क धागा विदेशों से मंगाया जाए और बिक्री की व्यवस्था बनारस के अन्दर की जाए, ताकि वहां से जो बुनकरों का पलायन हो रहा है, वह बन्द हो सके। इस क्षेत्र में सिल्क उद्योग हजारों वर्षों से चल रहा है। यह उद्योग पुनः जीवित हो सके, इसलिए मैं कपड़ा मंत्रालय से मांग करता हूं कि विदेशों से सिल्क के धागे को मंगाने की व्यवस्था की जाए।

>

श्री वीरेन्द्र सिंह (मिर्जापुर): महोदय, यह सवाल केवल बनारस का ही नहीं है, सिल्क साड़ी के क्षेत्र में सिर्फ बनारस के बनुकर ही नहीं है, कालीन क्षेत्र के बुनकर भी है। इन बुनकरों को जो ऋण दिया जाता है और ऋण की वसूली जिस प्रकार की जाती है, उससे बुनकरों की स्थिति दिनोंदिन दयनीय होती जा रही है। मैं भारत सरकार से वित्त मंत्री से निवेदन करना चाहता हूं कि बुनकरों की दयनीय स्थिति को देखकर कालीन क्षेत्र और बनारसी साड़ी क्षेत्र में लगे बुनकरों, जिनको अन्तरराष्ट्रीय क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त है, की स्थिति को सुधारने के लिए कोई योजना लानी चाहिए, क्योंकि बुनकरों की स्थिति दिनोंदिन खराब होती जा रही है।